बिहार विधान सभा वादवृत्त

वृहस्पतिवार तिथि ९ दिसम्बर १९६५।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में वृहस्पतिवार तिथि ९ दिसम्बर, १९६५ को पूर्वाहन ११ बजे अध्यक्ष डा० लक्ष्मी नारायण सुधांशु के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

श्री नवल किशोर सिंह--महाशय में तृतीय बिहार विधान-सभा के दशम सत्र (जुलाई-अगस्त), १९६५ के शेष ८५ अल्प-सूचित प्रश्नों में से १० प्रश्नों के उत्तर जो समयाभाव के कारण सदन में नहीं दिये जा सके, सभा की मेज पर रखता हूँ।

प्रश्नकर्त्ता को प्रश्न पूछने के समय उपस्थित रहना चाहिये।

(अल्प-सूचित प्रश्न संख्या १--प्रश्नकर्त्ता अनुपस्थित।)

श्री राज मंगल मिश्र- अध्यक्ष महोदय यह प्रश्न महत्त्वपूर्ण है अतः इसे पूछने का आदेश दिया जाय ?

अध्यक्ष--प्रश्नकर्त्ता को उपस्थित होना चाहिये। यह जिम्मेवारी सदस्यों की है। आपलोगों में से किसी को उन्होंने अधिकृत किया है ?

श्री राज मंगल मिश्र--जी नहीं, लेकिन यह प्रश्न महत्वपूर्ण है इसलिये पूछने का आदेश दिया जाय।

अध्यक्ष--मैं इस चीज को प्रोत्साहन नहीं देना चाहता हूँ। जो प्रश्न की सूचना देते हैं उन्हें उपस्थित रहना चाहिये जबकि इसकी सूचना आपको पहले से ही दे दी जाती है। मैं इसको नहीं मानता हूं।

तारांकित प्रश्नोत्तर।

पटवन की व्यवस्था।

१५६। श्री जनार्दन तिवारी—क्या मंत्री, नदी-घाटी योजना (सोन एवं गंडक) विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि-

(१) सोन बराज और गंडक बराज की नहरों का कबतक निर्माण हो जाने की संभावना है;

(२) इन नहरों से कबतक पटवन का कार्य शुरूहोने की आशा की जाती है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—(१) मुंगेर जिलान्तर्गत नागी नदी परियोजना से केशोपुर तथा दादपुर गांवों का पटवन कराने के लिए केशोपुर शाखा नहर की खुदाई का कार्य दिनांक २८ मार्च, १९६३ को प्रारम्भ किया गया था।

(२) इस शाखा नहर की खुदाई पर अब तक कुल ४,६४१ रुपये खर्च किये जा चुके हैं।

(३) इस नहर से कुल १५० एकड़ भूमि की सिंचाई का अन्दाज लगाया गया है।

(४) उस शाखा नहर से इस वर्ष धान की फसल का पटवन नहीं कराया जा सका क्योंकि रेलवे लाईन को पार करने के बाद ही नहर से पटवन कराना सम्भव हो सकेगा। लेकिन अभी तक रेलवे लाईन में पुल नहीं बनने के कारण नहर को रेलवे लाईन पार नहीं कराया गया है। पूर्वी रेलवे से नहर को रेलवे लाईन पार कराने के लिए आवश्यक पत्राचार किया जा रहा है।

(५) नहर-निर्माण का कार्य रेलवे लाईन में पुल बनने पर ही पूरा हो सकेगा। उम्मीद की जाती है कि जून १९६६ तक रेलवे लाईन में पूर्वी रेलवे द्वारा पुल का निर्माण कार्य पूरा हो जायगा। पुल निर्माण के बाद शीघ्र ही नहर निर्माण का कार्य पूरा किया जायगा।

नाले का निर्माण।

१७८। श्री मुनीश्वर प्रसाद सिंह—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत महनार अंचल में करनौती गांव है;

(२) क्या यह बात सही है कि करनौती चौर से धर्मपुर, हरप्रसाद, हुलई आदि गांव होकर नोन नदी में वरुणा पुल के निकट एक नाला खोदकर गिराने की योजना जांच-पड़ताल की अवस्था में है;

(३) यदि हां, तो सरकार उक्त नाला को कब तक बनाने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उत्तर नकारात्मक है।

(३) करनौती चौर का पानी नहर खोदकर वाया नदी में न कि नोन नदी में गिराने की एक योजना सरकार के विचाराधीन है। प्राक्कलन की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। कार्य शीघ्र प्रारम्भ किया जायगा।